Safety Organisation
संरक्षा संगठन

INTRODUCTION

The Railway Safety Review Committee in their report has observed that "the department of Safety should mostly act as a catalyst and each executive department responsible for running the trains must own the task of monitoring safety. The prime objective should be to prevent accidents and for this purpose meticulous technical work needed to arrive at the precise causes / remedies. Thereafter pro-active preventive action will need to be instituted and relentlessly pursued. A sense of involvement in the subject will need to be developed in each department."

Accordingly the Board took the decision to restructure the safety organization on the Railways and broad base it by including officers from five major disciplines viz. Traffic, Civil, Mechanical, Electrical and Signal & Telecommunication Departments.

विभागीय परिचय

रेलवे संरक्षा सुधार समिति ने अपनी रिर्पोट में यह अनुभव किया है कि 'संरक्षा विभाग समान्यत ; एक उत्प्रेरक की भान्ति कार्य करेगा तथा प्रत्येक गााडी संचालन के लिए उतरदाई कार्यकारी विभाग संरक्षा अनुपालन का कार्य वहन करेंगे। मुख्य उदेश्य अकसमातों को रोकना तथा इसके लिए संक्षिप्त कारणों/उपचारों का गहन तकनीकी विष्लेषण होना चाहिए। तद उपरान्त पूर्व– निर्धारित रोक थाम संबन्धी कार्य का निश्पादन तथा निरन्तर पीछे पड़ कर करने की आवश्यक्ता है।'

तदानुसार बोर्ड ने रेलवे में व्यापक स्तर पर पांच मुख्य धाराओं के अधिकारीओं, अर्थात परिचालन, इन्जीनियरिंग, अभियान्त्रिकी, विद्युत तथा सिगनल व दूर संचार विभाग को सम्मिलित करते हुए संरक्षा संगठन का पुर्नगठन करने का निश्चय किया है।